भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
(जनसम्पर्क निदेशालय)

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के ए.एन.एस. निदेशालय द्वारा 2 जून, 2014 को भारत और नेपाल के बीच ए एम एच एस(ए.टी.एस मैसेज हैंडलिंग सिस्टम) का कार्यान्वयन</u>

<u>नई दिल्ली, 13 जून, 2014</u> - भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अग्रणी वायु तिक्चालन सेवा प्रदाताओं में से एक है तथा पूरे विश्व में ए टी एस मैसेज हैंडलिंग सिस्टम विमान (ए एम एच एस) तकनीक को लागू करने वाले अग्रणी संगठनो में से एक है। वैश्विक एरोनॉटिकल टेलीकमयुनिकेशन नेटवर्क(ए टी एन) पर एरोनॉटिकल संदेशों के आदान-प्रदान हेतु ए एम एच एस नया इकाओ मानदण्ड है, जो आई टी यू-टी एक्स 400 मानकों पर आधारित है।

वैश्विक विमान दिक्चालन योजना एवं इकाओ के वैश्विक योजना उपायों को सहयोग देने की अपनी बद्धता के अनुसार भारत ने वर्ष 2011 में ए एम एच एस प्रणाली का कार्यान्वयन किया तथा सिंगापुर के साथ पहली कनेक्टिविटी स्थापित की। भारत ने अब नेपाल के साथ दूसरी सर्किट चालू की है। मुंबई एवं काठमांडु के बीच संदेशों के नियमित आदान-प्रदान की प्रक्रिया 2 जून 2014 से प्रारम्भ हुई। नेपाल के साथ कार्यान्वयन की सफलता सामूहिक प्रयासों एवं दोनों देशों की समर्पित टीमों के बीच दिव्पक्षीय सहयोग के मेल का परिणाम है।

इस वर्तमान कार्यान्वयन से वर्षों से चली आ रही ए एफ टी एन कनेक्टिविटी बदल गई जो केवल छोटे टेक्सटयूअल संदेशों का प्रबंध कर पाती थी. भारत व नेपाल के बीच ए एम एच एस सुविधा अब ई मेल के जैसे ही वैश्विक संदेश उपलब्ध कराती है जिससे एरोनॉटिकल मानचित्र, मौसम चार्ट, डिजिटल अटैचमेंट का आदान-प्रदान किया जा सकता है। ए एम एच एस तकनीक ऑटोमेशन प्रणाली के माध्यम से एरोनॉटिकल डाटा के ग्राफिकल डिपिक्शन को सक्षम बनाती है जिससे विमान यातायात सेवाओं के कार्यनिष्पादन एवं दक्षता में वृद्धि होती है। इससे सर्विस डिलीवरी एवं यात्रियों की विमान संरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होगा।

चीन, थाईलैंड, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश जैसे देशों के साथ दूसरे कमिटिड अंतराष्ट्रीय लिंकों की स्थापना के लिए प्रचालनात्मक परीक्षण चल रहे है जिससे एशिया / प्रशांत क्षेत्र में ए एम एच एस नेटवर्क की पूर्ण प्रचालनत्मकता सक्षम हो सकेगी।

जनसम्पर्क निदेशालय द्वारा जारी
विस्तृत ब्यौरे के लिए कृपया संपर्क करे
महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) 9810025069
011-24622787
सं 17 / 2014-15